



रासायनिक खेती क्यों करते हैं?



हरित क्रांति के आरंभ से लेकर आज तक किसान आए दिन रासायनिक खादों और रासायनिक दवाओं का प्रयोग कर रहा है। परिणामस्वरूप किसान को निम्नलिखित समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

- मिट्टी में पौधों के लिए आवश्यक सूक्ष्मजीवों की संख्या कम हो रही है।
- पौधे मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों का अच्छे से उपयोग नहीं कर पाते.
- पौधों की प्रतिरोधक क्षमता और कीटों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।
- मिट्टी की उर्वरता एवं उत्पादकता में काफी कमी आई है। खेती की लागत महंगी हो गई है और किसान गरीब हो गया है।
- इंसानों और जानवरों के शारीरिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा असर पड़ता है.



किसान मित्रों, चिंता न करें

यही सबका समाधान है।

➤ शुद्ध जैविक खेती शुरू करके

जैविक खेती का मतलब है जिसमें रासायनिक उर्वरकों और दवाओं का उपयोग बंद कर दिया जाए। बेसिकेल (बावो. एन.पी.के.)। एग्रोकेन (ब्लैक कार्बन), नुटी गोल्ड स्टॉपर, रिचार्ज और मिट्टी को पुनर्जीवित करने जैसे जैविक उर्वरकों का उपयोग बढ़ाना।

जैविक खेती के फायदे

- मिट्टी की उर्वरता और उत्पादकता को बढ़ाता है और मिट्टी को स्वस्थ बनाता है,
- मिट्टी की भौतिक स्थिति में सुधार होता है और मिट्टी की नमी भंडारण क्षमता बढ़ती है।
- फसलों की रोग एवं कीट प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।
- स्तन स्वस्थ और मजबूत बनते हैं,
- फूल और फल झड़ने की समस्या कम हो जाती है। और फल स्वादिष्ट बनता है।
- जैविक खेती द्वारा उत्पादित अनाज, अनाज, फल और सब्जियां खाने से हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है।



एग्रीगोल्ड ग्रोमिन

14% कार्बनिक कार्बन

आज के समय में किसान अधिक उत्पादन पाने के लिए मिट्टी में अधिक रासायनिक उर्वरकों और रासायनिक दवाओं का उपयोग करने लगा है। जिसके कारण मिट्टी कठोर एवं अनुत्पादक हो जाती है तथा मिट्टी की संरचना नष्ट हो जाती है। जैविक भोजन का सेवन ही एकमात्र विकल्प है।

पहले मिट्टी में अलसी की मात्रा अधिक होती थी, लेकिन रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से यह नष्ट हो गयी है और उत्पादन कम हो गया है। इसलिए खेती दिन-ब-दिन महंगी होती जा रही है, इसलिए हमारी कंपनी द्वारा अत्याधुनिक तकनीक से कोचिंगोल सोमिन फर्टिलाइजर तैयार किया गया है। जिसमें संपूर्ण पोषक तत्व बरकरार रहते हैं। कम लागत और उपजाऊ भूमि पर अधिक उत्पादन हमारा मुख्य उद्देश्य है।

उपयोग कैसे करें

- यह उर्वरक आम तौर पर मिट्टी की तैयारी के दौरान या रोपण के बाद कपास, मूंगफली, ज्वार, आलू, तंबाकू, जीरा, गेहूं, दालें, बागवानी सब्जियों जैसी फसलों में लगाया जा सकता है।
- अनाज की फसलों के लिए: चिरायु में 3 से 4 प्रेम
- सब्जियों के लिए 4 से 1 में 1: बागवानी के लिए 1 8 से 10 बैग

फायदे

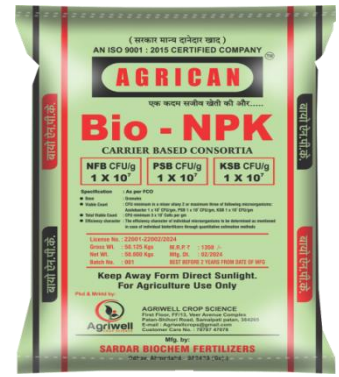
40 किलो पैकिंग में उपलब्ध है.

निरंतर उपयोग से मिट्टी कार्बन रहित, संतृप्त और छिद्रपूर्ण हो जाती है।

एग्रीगोल्ड ग्रामिन के उपयोग से मिट्टी में कई प्रकार के केंचुए और बैक्टीरिया पैदा होते हैं।

- एग्रीगोल्ड चना के सेवन से मिट्टी की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
- फंगस और ब्लाइट जैसी बीमारियों से बचाता है।

एग्रीकन (बायो एन.पी.के.) कैरियर बेस कंसोर्टिया



उत्कृष्ट पोषण और बेहतर उत्पादन के लिए एक इलाज बायो फर्टिलाइजर
कैरियर बेस कंसोर्टिया बायो फर्टिलाइजर ग्रेन्युलर

फायदे

- बेलिफुन बायो एन.पी.के. इसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेश और सूक्ष्म पोषक बैक्टीरिया होते हैं।
- मेस्टिकेन बायो एन.पी.डी. मिट्टी में मौजूद अकार्बनिक तत्वों को लाभकारी रूपों में परिवर्तित कर पौधों को प्रदान करता है।
- एनी बो **MP1**. पौधों को दीर्घकालिक रोग पैदा करने के लिए आवश्यक पोषक तत्वों के अलावा अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करता है।
- एटकिन एन.पी.के. में आये। पूरी तरह से जैविक होने के कारण इसके फल, फूल या बीज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।
- एरकिट लेयो एन.पी.के. इसके प्रयोग से पौधे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, जिससे किसान रसायन का प्रयोग करते हैं
- दवाइयों का प्रयोग कम करना चाहिए।
- एग्रीकैश लेट्स एनपी। उर्वरक बहुत लंबे समय तक चलने वाला उर्वरक है।
- अज़केम बायो एन, पी.के. खाद मिट्टी को किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचाती है जिससे मिट्टी उपजाऊ बनती है और उसकी उत्पादकता बढ़ती है।



- एकेन बच्ची एन.पी.के. खाद प्रत्येक फसल के लिए सर्वोत्तम बुनियादी उर्वरक है। इसके अलावा इसका उपयोग निम्नलिखित प्रत्येक फसल में किया जा सकता है। **एक अध्ययन में खुराक 50 किग्रा (1 बैग)।**

एग्रीकन (काला

फायदे

3 से 5 वर्ष तक लगातार प्रयोग के बाद रसायनों की मात्रा कम हो जाती है।

- मिट्टी में कार्बन की मात्रा बढ़ जाती है।
- 9 जड़ संख्या एवं वृद्धि को बहुत तेजी से बढ़ाता है।
- मिट्टी में पीएच स्तर को संतुलित करता है।
- पौधों पर इसका प्रभाव लंबे समय तक रहता है।

मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है

- जड़ और मिट्टी की प्रतिरोधक क्षमता में सुधार करता है।

-मिट्टी में प्राकृतिक जीवों की संख्या बढ़ती है।

- रासायनिक खातों और औषधियों का कम प्रयोग।



कार्बन)

मिट्टी में

@मिट्टी में पीएच (पी.एच.) को दूर कर बनाए रखता है।

मिट्टी में लाभकारी जीवाणुओं एवं सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ जाती है।

मिट्टी में कार्बन नाइट्रोजन का अनुपात बनाए रखता है।

आपका खेत उपजाऊ हो।

50 किलो पैकिंग में उपलब्ध है।

प्रयोग:

प्रयोग: प्रत्येक फसल में आधार उर्वरक के रूप में प्रति खेत **50** किलोग्राम एग्रीकन ब्लैक कार्बन का उपयोग करें और **1** महीने के अंतराल पर दूसरी खुराक दें।



एग्रीकन (जैव पोटाश)

पोटेशियम घुलनशील बैक्टीरिया

फायदे

- एग्रीकन बायो पोटाश में पोटेशियम घुलनशील बैक्टीरिया और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व होते हैं।
- एग्रीके बायो पोटाश एक पूर्ण जैविक उर्वरक है।
- एग्रीके बायो पोटाश मिट्टी में अघुलनशील पोटाश को ठोस रूप में परिवर्तित करता है और पौधों को आपूर्ति करता है।
- एग्रीकन बायो पोटाश मिट्टी को जैविक रूप से सक्रिय बनाता है और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है।
- अनारकिन बायो पोटाश फेफड़ों की प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है।
- एग्रीकन बायो पोटाश के कारण फूल और फल की गुणवत्ता में सुधार करता है।
- एग्रीकन बायो पोटाश फलों के आकार और वजन को बढ़ाता है।
- एग्रीकेण्ड बायो पोटाश का प्रयोग करने के बाद हेल पोटाश उर्वरक डालने की आवश्यकता नहीं होती है।
- एकेन बायो पोटाश पर्यावरण और मिट्टी को नुकसान नहीं पहुंचाता है।

उपयोग कैसे करें

फसल की आवश्यकता एवं फसल अवधि के अनुसार 50 कि.ग्रा. का उपयोग करें।

50 किलो पैकिंग में उपलब्ध है।

एग्री-ज़ाइम (कार्बनिक कणिकाएँ)



फायदे

- एग्री ज़ाइम ग्रैन्युलर समुद्री शैवाल, ह्यूमिक एसिड, अमीनो एसिड और फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों और खनिजों से प्राकृतिक रूप से प्राप्त सक्रिय हार्मोन की एक कोटिंग है।
- एग्री-ज़ाइम ग्रैन्यूल्स एक पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित कार्यात्मक भोजन है। यह पौधों को उत्कृष्ट पोषण प्रदान करता है क्योंकि इसमें फास्फोरस, पोटेशियम और जस्ता, मैंगनीज, आर्सेनिक और अमीनो एसिड जैसे आवश्यक ट्रेस तत्व होते हैं।
- मजबूत जड़ों के समग्र विकास के लिए।
- लंबे समय में, दानों के उपयोग से उत्पादन बढ़ता है और लागत कम होती है।
- एसी-गाइम ग्रैन्यूल्स के प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है।
- एसी-ज़ाइम सेंसस के नियमित उपयोग से अन्य उर्वरकों की आवश्यकता कम हो जाती है। फलों एवं फूलों की संख्या में वृद्धि होती है तथा पौधे का सर्वांगीण विकास होता है।
- रेशेदार जड़ों के शीघ्र गठन और तेजी से विकास द्वारा पौधे की शक्ति बढ़ाता है।
- फल-फूलों की संख्या बढ़ती है और पौधा बड़ा होता है। रेशेदार जड़ों के जल्दी बनने और तेजी से विकास के द्वारा पौधे की ताकत बढ़ाता है।
- एग्री-ज़ाइम के उपयोग से कम वर्षा में भी फसल की मजबूती में पीलापन और मुरझाने का खतरा नहीं रहता है।
- और फसल में पर्याप्त नमी बनाए रखने का काम करता है।



नोट :

एग्री-ज़ाइम दानेदार होता है और इसका उपयोग अन्य उर्वरकों के साथ किया जा सकता है।

उपयोग

कपास - केला गेहूं अरंडी गन्ना आलू - बाजरा

जीरा-धान-मूँगफली सब्जियाँ - बागवानी फसलें

10 किलो

पैकिंग में उपलब्ध है

दर: 1 से 2 बाल्टी प्रति 1 एकड़



Agriwell
CROP SCIENCE



काला सोना (ह्यूमिक पोटेशियम 98%)

जैविक खेती में यूसिक एसिड बहुत महत्वपूर्ण है। ब्लैक मोल्ड सभी फसलों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है जो फसलों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करता है। और प्रत्येक फसल उत्पादन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान देता है।

काले गोटक में ह्यूमिक एसिड, फ्लुपिक एसिड और माइक्रोन्यूटन जैसे तत्व होते हैं। फसल की आवश्यकता के अनुसार छिड़काव करने से फसल तेजी से बढ़ती है तथा फसल हरी-भरी रहती है तथा फसल में रोग लगने से बचाव होता है।

फायदे

- ब्लैक गोल्ड एक ह्यूमिक यूरिया उर्वरक पूरक है। अतः उर्वरक के स्थान पर यूरिया का प्रयोग किया जा सकता है।
- हथेली की आंतरिक शक्ति को जागृत करता है।
- पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। पौधों में प्रकाश संश्लेषण होता है।
- पोषक तत्वों की कमी को दूर करता है।

उपयोग कैसे करें

- किसी भी फसल को रोपण से पहले और रोपण के बाद बीज कोटिंग के दौरान किसी भी उर्वरक के साथ मिलाया जा सकता है।
- काले सोने को फसल के विस्तार के दौरान पानी में और छिड़काव द्वारा आसानी से लगाया जा सकता है।

अनुपात

15 लीटर पम्प पानी में 20 से 30 ग्राम मिलाकर छिड़काव करें। ड्रिप सिंचाई में एक एकड़ में 1 किलो फसल भी दी जा सकती है।

500 ग्राम और 1 किलो पैकिंग में उपलब्ध है।

न्यूटी गोल्ड (प्लांट बूस्टर स्लरी)

न्यूटी गोल्ड : आधुनिक नैनो तकनीक से बना उत्पाद है।

न्यूटी बोल्ड: इसमें प्राकृतिक प्रोटीन स्रोतों से प्राप्त कार्बन और मिट्टी में पाए जाने वाले 16 तत्व शामिल हैं

न्यूटी गोल्ड: बढ़े हुए कार्बनिक कार्बन (सीएन) के कारण मिट्टी का पीएच और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है।

न्यूटी गोल्ड: पौधों की वृद्धि और उत्पादकता बढ़ाता है।

न्यूटी गोल्ड: पौधों को मिट्टी के पोषक तत्व और उर्वरक उपलब्ध कराता है, जिसके परिणामस्वरूप पौधों की वृद्धि होती है और उत्पादन में वृद्धि होती है।

न्यूटी गोल्ड: हर पर्यावरण की रक्षा करता है और पौधों को रोग मुक्त रखता है।



**5 लीटर पैकिंग में उपलब्ध है.
आवेदन: प्रति एकड़ 5 लीटर का
प्रयोग करें**





स्टॉपर (वानस्पतिक जैव नियंत्रक)

स्टॉपर: स्नान एक कार्बनिक कीटाणुनाशक है, जो पौधों के अर्क से बना उत्पाद है।

स्टॉपर पत्ती खाने वाले कीड़ों जैसे हरे कैटरपिलर, गुलाबी कैटरपिलर, कैटरपिलर और लीप माइन्स के खिलाफ प्रभावी है जो पत्तियां, फल और कुल रस चूसते हैं।

रास्ता नियंत्रित करता है. पैकिंग: 100 मिली, रु. 0 मिली.

खुराक: 15 लीटर पानी में 20 मिली.

रिचार्ज (ह्यूमिक+अमीनो+विटामिन)

पुनर्भरण: जैव प्रौद्योगिकी जैसे ह्यूमिक और समुद्री तलछट से बनी खाद का मिश्रण।

रिचार्ज: समुद्री अर्चिन अर्क और प्राकृतिक प्रोटीन और उच्च गुणवत्ता से तैयार एक समान उत्पाद

पुनर्भरण: सभी प्रकार की फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की अवशोषण क्षमता को बढ़ाता है और कुल-फल की धारण शक्ति को बढ़ाने में मदद करता है।

विद्या 1 सभी वातावरणों में लाभकारी सुरक्षा प्रदान करता है।

पैकिंग: 250 मिली, 500 मिली, खुराक: 15 लीटर पानी में 30 मिली।



